Date
Page No.

Chapter-2 : नेताजी का चश्मा :

प्रश्नो के उत्तर दो :

Q1. सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे ?

Ans: सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन इसलिए कहते थे क्योंकि उसके अंदर देश भक्ति कुट-कुट कर भरी हुई थी वह स्वतंत्रता आंदोलन मे भाग लेने वाले ~~सेनानी~~ सेनानियों का भरपूर सम्मान करते थे, वह नेताजी की मूर्ति को बार-बार चश्मा पहनाकर देश के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा प्रकट करते थे, देश के प्रति त्याग और समर्पण की भावना उनके हृदय में किसी भी फौजी से कम नही थी इसी कारण लोग उन्हे कैप्टन कहते थे ।

Q2. हलदार साहब ने ड्राईवर को पहले चौराहे पर गाड़ी रोकने के लिए मना किया था लेकिन बाद में तुरंत रोकने को कहा :

(क) हलदार साहब पहले मायूस क्यों हो गए थे?

Ans: हलदार साहब पहले मायूस हो गए थे क्योंकि वे सोच रहे थे की कस्बे के चौराहे पर सुभाषचंद्र की प्रतीमा तो अवश्य मिलेगी पर उनकी आँखो पर चश्मा लगा नही मिलेगा, चश्मा लगाने वाले देशभक्त कैप्टन तो मर चुके हैं, और वहाँ अब किसी में वैसी देश प्रेम की भावना नही है,

(ख) मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा क्या उम्मीद जगाता है ?

Ans: मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा यह उम्मीद जगाता है कि अभी भी लोगो के अंदर देशभक्ति की भावना मरी नही है, भावी पीढ़ी इस धरोहर को समहाले हुए है, बच्चो के अंदर देश प्रेम का जज्बा है । अत: देश का भविष्य सुरक्षित है ।

(ग) हालदार साहब इतनी-सी बात पर भावुक क्यो हो उठे ?

Ans: हालदार साहब इसलिए भावुक हो उठे क्योंकि उनके मन मे आई हुई निराशा की भावना अचानक ही आशा के रूप में परिवर्तन हो गई और

Date
Page No.

उनके हृदय की प्रसन्नता आँखों से आँसू बनकर छलक उठी, उन्हें यह विश्वास हो गया कि देश भक्ती की भावना भावी पीढ़ी के मन में भी पूरी तरह भरी हुई है।

Q4. पानवाले का एक रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए।

Ans: पानवाला अपनी पान की दुकान पर बैठा ग्राहकों को पान देने के अलावा उनसे कुछ न कुछ बातें करता रहता है। वह स्वभाव से खुशमिज़ाज, काला मोटा व्यक्ति है। उसकी तोंद निकली हुई है, वह पान खाता रहता है जिससे उसकी बत्तीसी लाल काली हो गई है। वह जब हँसता है तो उसकी तोंद थिरकने लगती है, वह वाकपटु है जो व्यंग्यात्मक बातें कहने में भी नहीं चूकता है।

Q5. "वो लँगड़ा क्या जाएगा फौज में, पागल है पागल!" कैप्टन के प्रति पानवाले की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखिए।

Ans: "वह लँगड़ा क्या जाएगा फौज में, पागल है पागल!" पानवाला कैप्टन चश्मेवाले के बारे में कुछ ऐसी ही घटिया सोच रखता है, वास्तव में कैप्टन इस तरह की उपेक्षा का पात्र नहीं है, उसका इस तरह मजाक उड़ाना तनिक भी उचित नहीं है, वास्तव में कैप्टन उपहास का नहीं सम्मान का पात्र है जो अपने अति सीमित संसाधनों में नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाकर देशप्रेम का प्रदर्शन करता है और लोगों में देशभक्ति की भावना उत्पन्न करने के अलावा प्रमाद भी करता है।

Q6. निम्नलिखित वाक्य पात्रों की कौन-सी विशेषता की ओर संकेत करते हैं:

(क) हालदार साहब हमेशा चौराहे पर रुकते और नेताजी को निहारते।

Ans: हालदार साहब हमेशा चौराहे पर रुकते और नेताजी को निहारते इससे उनकी देश के प्रति आदर, श्रद्धा, अथवा देशभक्ति ~~प्रकट~~ प्रकट होती है।

(ख) पानवाला उदास हो गया, उसने पीछे मुड़कर मुँह का पान नीचे थूका और सिर

झुकाकर अपनी धोती के सिरे से आँखें पोंछता हुआ बोला - साहब ! कैप्टन मर गया,

Ans पानवाला प्राय: कैप्टन चश्मेवाले का उपहास उड़ाया करता था, जिससे ऐसा लगता था, जैसे उसके अंदर देशभक्ति का भाव नहीं है पर जब कैप्टन मर जाता है तब उसके देशप्रेम की झलक मिलती है, वह कैप्टन जैसे व्यक्ति की मृत्यु से दुखी होकर दुकानदार को उसकी मृत्यु की सूचना देता है, ऐसा कहते हुए उसकी आँखें भर आती है,

(ग) कैप्टन बार-बार मूर्ति पर चश्मा लगा देता था।

Ans कैप्टन भले ही शारीरिक रूप से फौजी व्यक्तित्व वाला न रहा हो पर मानसिक रूप से वह फौजियों जैसी ही मनोभावना रखता था, उसके हृदय में देश प्रेम और देशभक्ति की भावना कूट-कूटकर भरी थी, नेताजी की चश्माविहीन मूर्ति देखकर वह आहत होता था और उस कमी को पूरा करने के लिए अपने सीमित आय से भी चश्मा लगा दिया करता था ताकि सभी नेताजी का व्यक्तित्व अधूरा न देखे।

Q8. कस्बों, शहरों, महानगरों के चौराहों पर किसी न किसी क्षेत्र के प्रसिद्ध व्यक्ति की मूर्ति लगाने का प्रचलन - सा हो गया है —

(क) इस तरह की मूर्ति लगाने के क्या उद्देश्य हो सकते हैं

Ans इस तरह की मूर्ति लगाने के उद्देश्य यह है कि महान व्यक्तित्वों की स्मृति हमारे मन में बनी रहे, और उनसे प्रेरणा लेकर हम समाज का भला कर सके,

(ख) आप अपने इलाके के चौराहे पर किस व्यक्ति की मूर्ति स्थापित करवाना चाहेंगे और क्यों ?

Ans अपने इलाके के चौराहे पर अपने देश के महान व्यक्ति की मूर्ति स्थापित करवानी चाहिए ताकि उनसे प्रेरणा लेकर समाज का भला कर सके।

(ग) उस मूर्ति के प्रति व चौराहे पर किस आपके एवं दूसरे लोगों के क्या उत्तरदायित्व होने चाहिए ?

Ans चौराहे या कस्बे में लगी समाज सेवी या अन्य उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्ति की प्रतिमा के प्रति हमारा तथा अन्य लोगों का यह उत्तरदायित्व होना

Date
Page No.

चाहिए कि :

(i) हम उसकी साफ़-सफ़ाई करवाएँ,

(ii) साल में कम से कम एक बार वहाँ आयोजन करें कि लोग वहाँ एकत्र हों और उस व्यक्ति के कार्यों की चर्चा की जाए

(iii) उस व्यक्ति के कार्यों की वर्तमान में ~~प्रासंगिकता~~ प्रासंगिकता बताते हुए उनसे प्रेरित होने के लिए लोगों कहें।

(iv) मूर्ति के प्रति सम्मान भावना बनाए रखें।

Q9. सीमा पर तैनात फ़ौजी ही देश-प्रेम का परिचय नहीं देते। हम सभी अपने दैनिक कार्यों में किसी न किसी रूप में देश प्रेम प्रकट करते हैं; जैसे सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुँचाना, पर्यावरण संरक्षण आदि अपने जीवन-जगत से जुड़े ऐसे और कार्यों का उल्लेख कीजिए और उन पर अमल भी कीजिए।

Ans: सीमा पर तैनात फ़ौजी विशिष्ट रूप में देशप्रेम का परिचय देते हैं, उनका देशप्रेम अत्यंत उच्चकोटि का और अनुकरणीय होता है, परंतु हम लोग भी विभिन्न कार्यों के माध्यम से देश प्रेम को प्रकट कर सकते हैं, ये काम हैं- सरकारी संपत्ति को क्षति न पहुँचाना, बढ़ते प्रदूषण को रोकने में मदद करना, अधिकाधिक वृक्ष लगाना, पर्यावरण तथा अपने आसपास की सफ़ाई रखना, पानी के स्त्रोतों को दूषित होने से बचाना, वर्षा जल का संरक्षण करना, बिजली की बचत करना, कूड़ा इधरउधर न फेंकना, नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाए रखने का प्रयास करना, तोड़-फोड़ न करना, शहीदों एवं देशभक्तों के प्रति सम्मान रखना, लोगों के साथ मिल-जुलकर रहना आदि।

Q10. निम्नलिखित पंक्तियों में स्थानीय बोली का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है, आप ~~इस~~ इन पंक्तियों को मानक हिंदी में लिखिए :
कोई गिराक आ गया समझो, उसको चौड़े चौखट चाहिए, तो कैप्टन किदर से लाएगा? तो उसको मूर्तिवाला दे दिया, उदर दूसरा बिठा दिया।

Ans: मान लो कोई ग्राहक आ गया, उसे चौड़ा फ्रेम चाहिए, तो कैप्टन कहाँ से लाएगा? तो उसे मूर्तिवाला फ्रेम दे देता है और मूर्ति से माफ़ी

माँगकर दूसरा फ्रेम लगा देता है।

Q11. 'भई खूब! क्या आइडिया है।' इस वाक्य को ध्यान में रखते हुए बताइए कि एक भाषा में दूसरी भाषा के शब्दों के आने से क्या लाभ होते हैं?

Ans: एक भाषा के शब्द जब ज्यों के त्यों दूसरी भाषा में आते हैं तो इससे भाषा सरल, सहज और बोधगम्य बनती है, वह अधिकाधिक लोगों द्वारा प्रयोग और व्यवहार में लाई जाती है। कुछ ही समय में ये शब्द उसी भाषा के बनकर रह जाते हैं।

Insides:

एक व दो शब्दों में उत्तर दो :

1. नेताजी की मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा किसने लगाया होगा? किसी बच्चे ने
2. चश्मेवाले के प्रति पानवाले के मन में कैसी भावना थी? उपेक्षा
3. किसे देखकर हवलदार के चेहरे पर कौतुकभरी मुस्कान फैल गई? मूर्ति ~~को~~ व चेहरे को
4. चश्मेवाले को पानवाला क्या समझाता ~~है~~ था? पागल
5. एकबार कस्बे से गुजरते समय हवलदार को मूर्ति में क्या अंतर दिखाई दिया? मूर्ति पर चश्मा नहीं था,
6. नेताजी की बगैर चश्मे वाली मूर्ति किसे बुरी लगती थी? चश्मे वाले को
7. पहली बार कस्बे से गुजरने पर हवलदार मूर्ति पर क्या देखकर चौंके? चश्मा
8. हवलदार का स्वभाव कैसा था? देशभक्त
9. हवलदार साहब किस बात पर दुखी हो गए? दुनिया के स्वार्थी स्वभाव पर
10. नेताजी की मूर्ति की ऊँचाई कितनी थी? दो फुट

प्रश्नों के उत्तर दो :

Q1. नगरपालिका द्वारा किसकी मूर्ति को कहाँ लगवाने का निर्णय लिया गया?

Date
Page No.

Ans: नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मूर्ति को नगरपालिका द्वारा लगवाने का निर्णय लिया गया, इस मूर्ति को कस्बे के बीचोबीच चौराहे पर लगवाने का फैसला किया गया, ताकि हर आने-जाने वाले की दृष्टि उस पर पड़ सके,

Q2. जिस कस्बे मे मूर्ति लगवाई जानी थी उसका संक्षिप्त वर्णन कीजिए,

Ans: जिस कस्बे में नेताजी की मूर्ति लगवाई जानी थी, वह बहुत बड़ा नहीं था, वहाँ कुछ मकान पक्के थे, एक छोटा-सा बाजार था, वहीं लड़के-लड़कियों का एक स्कूल, सीमेंट का एक छोटा कारखाना, दो ओपन एअर सिनेमाघर और नगरपालिका थी,

Q3. मूर्ति बनवाने का कार्य स्थानीय ड्राइंग मास्टर को क्यों सौंपना पड़ा ?

Ans: मूर्ति बनवाने का कार्य स्थानीय ड्राइंग मास्टर को इसलिए सौंपना पड़ा क्योंकि अधिकारी ने फाइलों और मूर्ति संबंधी अन्य बातों के निर्णय में बहुत अधिक समय ले लिया, वे अधिकारी अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले ही मूर्ति बनवाने का काम कर लेना चाहते थे इसलिए जल्दबाज़ी में इसे स्थानीय ड्राइंग मास्टर को सौंप दिया,

Q4. नगरपालिका मूर्ति लगवाने में ठोस निर्णय क्यों नहीं ले पा रही थी?

Ans: नगरपालिका मूर्ति के संबंध में ठोस निर्णय इसलिए नहीं ले पा रही थी क्योंकि नगरपालिका को अच्छे मूर्तिकार की जानकारी न थी, उन्होंने पत्र व्यवहार मे काफी समय निकाल दिया, उन्हें अपना कार्यकाल समाप्त होने का डर सता रहा था, इसके अलावा उन्हें मूर्ति के लिए उपलब्ध बजट भी कम होता दिख रहा था,

Q5. नेताजी की मूर्ति का संक्षिप्त चित्रण किजिए,

Ans: कस्बे की हृदयस्थली के चौराहे पर नेताजी की जो मूर्ति लगाई गई थी

वह टोपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक दो फुट ऊँची थी, संगमरमर की बनी इस मूर्ति में नेताजी सुंदर लग रहे थे, उन्हें देखते ही उनके नारे याद आने लगते थे,

Q6. नेताजी की मूर्ति में कौन-सी कमी खटकती थी?

Ans. नेताजी की मूर्ति सुंदर थी, वह अपने उद्देश्य में सार्थक सिद्ध हो रही थी, उसे देखते ही नेताजी द्वारा किए गए कार्य याद आने लगते थे, परंतु इस मूर्ति में एक कमी जो खटकती है थी वह थी - मूर्ति पर चश्मा न होना, चश्मा न होने से नेताजी का व्यक्तित्व अधूरा-सा प्रतीत होता था,

Q7. मूर्ति की कमी को कौन और किस तरह पूरा करने का प्रयास करता था?

Ans. नेताजी की मूर्ति चश्माविहीन थी, इससे उनका व्यक्तित्व अपूर्ण-सा लगता था, इस कमी को पूरा करने का प्रयास कैप्टन चश्मेवाला करता था, वह नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगा दिया करता था, इस प्रकार वह मूर्ति की कमी और नेताजी के व्यक्तित्व की अपूर्णता को भरने का प्रयास करता था,

Q8. कैप्टन कौन था? उसका व्यक्तित्व नाम के विपरीत कैसे था?

Ans. कैप्टन फैरी लगाकर चश्मे बेचने वाला एक मरियल और लँगड़ा-सा व्यक्ति था, जो दृश्य में संदूकची और एक बाँस में चश्मे के फ्रेम टाँगे घूमा करता था, कैप्टन नाम से लगता था कि वह फ़ौजी या किसी सिपाही जैसा शारीरिक रूप से मज़बूत शौकीन चेहरे वाला बलिष्ठ व्यक्ति होगा, पर ऐसा कुछ भी न था,

Q9. कैप्टन मूर्ति के चश्मे को बार-बार क्यों बदल दिया करता था?

Ans. कैप्टन देशभक्त तथा शहीदों के प्रति आदरभाव रखने वाला व्यक्ति था, वह नेताजी की चश्माविहीन मूर्ति देखकर दुखी होता था, वह मूर्ति पर चश्मा लगा देता था पर किसी ग्राहक द्वारा वैसा ही चश्मा माँगे जाने पर उतारकर उसे दे देता था और मूर्ति पर दूसरा चश्मा लगा दिया करता था।

Date
Page No.

Q10. 'नेताजी का चश्मा' पाठ के माध्यम से लेखक ने क्या संदेश देने का प्रयास किया है ?

Ans: 'नेताजी का चश्मा' नामक पाठक के माध्यम से लेखक ने देशवासियों विशेषकर युवा पीढ़ी को राष्ट्र प्रेम एवं देशभक्ति की भावना मजबूत बनाए रखने के साथ-साथ शहीदों का सम्मान करने का भी संदेश दिया है। देशभक्ति का प्रदर्शन देश के सभी नागरिक अपने-अपने ढंग के कार्य व्यवहार से कर सकते हैं।

Q11. हालदार साहब के लिए कैप्टन सहानुभूति का पात्र था ? इसे आप कितना उचित समझते हैं ?

Ans: हालदार साहब जब ~~कैप्टन~~ कैप्टन को फेरी लगाते हुए देखते हैं तो उनके मुंह से अनायास निकल जाता है, तो बेचारे की अपनी दुकान भी नहीं है। वे चश्मेवाले की देशभक्ति के कारण उससे सहानुभूति रखते हैं, उनके इस विचार से मैं पूर्णतया सहमत हूँ क्योंकि कैप्टन जैसा व्यक्ति सहानुभूति का पात्र है,

Q12. बच्चों द्वारा मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा क्या प्रदर्शित करता है ?

Ans: बच्चों द्वारा मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा ~~लगाना~~ लगाना यह प्रदर्शित करता है कि बच्चों के मन में देश प्रेम और देशभक्ति के बीज अंकुरित हो गए हैं, उन्हें यह ज्ञान हो गया है कि शहीदों और देशभक्तों का आदर करना चाहिए,